अनुक्रमांक..... मुद्रित प्रश्नों की संख्या : 9

नाम.....

901 **801 (BO)**

2025

हिन्दी

समय : तीन घंटे 15 मिनट पूर्णांक : 70

निर्देश-

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय पश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R.शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) O.M.R. शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर (Eraser) एवं व्हाइटनर (Whiterner) आदि का प्रयोग न करें।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

खण्ड-अ <u>बहुविकल्पीय प्रश्न</u>

प्र०1. शुक्ल युग के लेखक नही है। 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) प्रेमचन्द्र

(iii) रामचन्द्र शुक्ल (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्र०2. 'माटी हो गयी सोना' संस्मरण के लेखक है- 1

(i) कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर (ii) देवेन्द्र सत्यार्थी

(iii) माखन लाल चतुर्वेदी (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी

modelpaper.info

प्र०3 'आँधी' रचना विधा है- 1

(i) कहानी (ii) नाटक

(iii) एकांकी (iv) संस्करण

प्र०4 निराला की साहित्य साधना के लेखक है- 1

(i) विष्णु प्रभाकर (ii) महादेवी वर्मा

(iii) डॉ० रामकुमार वर्मा (iv) डॉ० राम विलास शर्मा

प्र05 दूसरे के सम्पादक है- 1

(i) महादेवी वर्मा (ii) अज्ञेय

(iii) निराला (iv) सुमित्रा नन्दन पन्त

प्र०6 'रीतिकाल' की रचना है- 1

(i) रामचरित मानस (ii) प्रिय प्रवास

(iii) रामचन्द्रिका (iv) प्रेग माधुरी

प्र07. पथिक व मिलन रचना है- 1

(i) निराला (ii) अज्ञेय

(iii) रामनरेश त्रिपाठी (iv) भूषण

प्र०8 द्विवेदी युगकी समयावधि है- 1

(i) सन् 1900 से 1928 ई० तक

(ii) सन् 1868 से 1900 ई0 तक

(iii) सन् 1919 से 1936 ई० तक

(iv) सन् 1900 से 1922 ई० तक

modelpaper.info

प्र०9. हिन्दी के किस काल को श्रृंगार काल कहा जाता है- 1

(i) रीतिकाल (ii) भक्तिकाल

(iii) आधुनिक काल (iv) इनमें से कोई नही

प्र010.'हाथी जैसी देह हैं, गैंडे जैसी खाल। तरबूजे-सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल।।"

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है- 1

(i) वीर रस (ii) करुण रस

(iii) श्रृंगार रस (iv) हास्य रस

प्र011,"उस का मारे क्रोध के, तन काँपने उनका लगा। 1

मानो हवा के वेग से, सोता हुआ सागर जगा।

प्रस्तुत पंवित्तयों में अलंकार है।

(i) उत्प्रेक्षा अलंकार (ii) यमंक

(iii) श्लेष अलंकार (iv) रुपक अलंकार

प्र012 सोरठा छन्द के दूसरे और चौथे चरण में गात्राएँ होती है- 1

(i) 13, 11 मात्राएँ (ii) 11 मात्राएँ

(iii) 11. 13 मात्राएँ (iv) इनमें से कोई नहीं

प्र013. दशानन' समस्त पद में समास है- 1

(i) कर्मधारय समास (ii) तत्पुरुष समास

(iii) बहुव्रीहि समास (iv) द्वन्द्व समास

प्र014. 'अनावश्यक ' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है। 1

(i) अ (ii) अन

(iii) अना (iv) श्यक

modelpaper.info

प्र015 बादल का पर्यायवाची शब्द नही है:- 1

(i) जलज (ii) अंबुद

(iii) जलद (iv) नीरद

प्र016. 'युष्मद' शब्द रूप तृतीया एकवचन रूप है: 1

(i) त्वया (ii) युवाम्

(iii) त्वत् (iv) तुभ्यम्

प्र017 अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद है:- 1

(i) चार (ii) आठ

(iii) दो (iv) पाँच

प्र018. कर्मवाच्य में किसकी प्रधानता होती है? 1

(i) कर्म की (ii) क्रिया की

(iii)भाव की (iv) कर्ता की

प्र019. तुम से सोया नही जा सकता वाक्य में वाच्य है- 1

(i) कर्तृवाच्या (ii) भाववाच्य

(iii) कर्मवाच्य (iv) इनमें से कोई नही

प्र020. अनुज आया और हम चल दिए। रचना के आधार पर इस वाक्य का प्रकार है: 1

(i) सरल वाक्य (ii) मिश्रवाक्य

(iii) संयुक्त वाक्य (iv) इनमें से कोई नही

<u>खण्ड ब वर्णनात्मक प्रश्न</u>

प्र021.निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।(3×2=6)

(क) <u>आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्भुत और अतुल शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह को गिराने में होता ही रहेगा।</u>

modelpaperinto

इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और रखना होगा, जो उस अहिसात्मक त्याग भावना को प्रोत्साहित करें और भोग भावना को दबाये रखे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) आज विज्ञान मनुष्य को क्या दे रहा है?

अथवा

(ख) चौसा के मुगल-पठान के युद्ध में बहुत दिन बीत गये। ममता अब सत्तर वर्ष की वृद्धा है। वह अपनी झोपड़ी में एकदिन पड़ी थी। शीतकाल का प्रभात था। उसका जीर्ण कंकाल खाँसी से गुज रहा था। ममता की सेवा के लिए गाँव की दो-तीन स्त्रियाँ उसे घेर बैठी थी, क्योंकि वह आजीवन सब के सुख-दुःख सहभागिनी रही।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) चौसा का युद्ध किसके मध्य हुआ था।

प्र022. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3×2=6)

मोर- पखा सिर ऊपर राखि हौं, गुंज की माल गरें पहिराँगी

ओढ़ि पितम्बर लै लकुटी, बन गोधन ग्वारन संग फिरौंगी।।

भावतो वोहि मेरो रसखानि,' सो तेरे कहें सब स्वाँग करौंगी।

वा मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धराँगी।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश का सदंर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कृष्ण के वियोग में व्याकुल गोपियों ने कृष्ण की किन लीलाओं का अनुसरण करना चाहा है।

modelpaper.info

अथवा

ख. अतुलनीय जिनके प्रताप का

साक्षी है प्रत्यक्ष दिवाकर।

धूम-धून कर देख-चुका है,

जिनकी निर्मल कीती निशाकर।।

देख चुके है जिनका वैभव

ये नभ के अनन्त तारागण।

अगणित बाद सुन चुका है नभ.

जिनका विजय घाव रंण गर्जन ।।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii)दिवाकर, निशाचर, नभ, कीर्ति शब्दों का अर्थ लिखिए।

प्र023. दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(3+2=5)

आरक्षकः - श्रीमन् ! अयम् अस्ति चन्द्रशेखरः। अयं राजद्रोही। गतदिने अनेनैव असहयोगिनां सभायां एकस्य आरक्षकस्य दुर्जयसिंहस्य मस्तके प्रस्तरखण्डेन प्रहारः कृतः। येन दुर्जयसिंहः आहतः।

अथवा

"आम् स्वीकृतः समयः", इति कथिते तस्मिन् नागरिके स ग्रामीणः नागरिकम् अवदत् - "प्रथमं भवान् एव पृच्छतु।" नागरिकश्च तं ग्रामीणम् अकथयत्-"त्वमेव प्रथमं पृच्छ" इति। इदं श्रुत्वा स ग्रामीणः अवदत् - "युक्तम्, अहमेव प्रथमं पृच्छामि -अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः। अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः।।अस्या उत्तरं ब्रवीतु भवान्।"

modelpaper.info

प्र024. दिए गए संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

(3+2=5)

क. रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं,

भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पङ्कजालिः

विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे, हा हन्त !

हन्त ! नलिनीं गज उज्जहार ॥

अथवा

ख. सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वेसन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु माकश्चिद् दुःखभाग् भवेत।

प्र025. अपने पतित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए किसी एक प्रश्न का अर्थ उत्तर लिखिए। 3

(क) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर भामाशाह का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा की संक्षिप्त प्रस्तुति कीजिए।

(ख) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य में तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आजाद के क्रान्तिकारी रूप का चित्रण कीजिए।

modelpaper.info

(च) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के सप्तम एवं अष्टम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर बताइए कि कलिंग युद्ध का अशोक के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ा?

(ii) 'ज्योति जवाहर' के नायक की चार चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की वीरता का वर्णन कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के छठे सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(झ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्र026. (क) दिए गए लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए- (3+2=5)

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) डा० राजेन्द्र प्रसाद (iii) रामचन्द्र शुक्ल

ख. दिए गए लेखकों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय और रचनाओं का उल्लेख कीजिए। (3+2=5)

(i) तुलसीदास (ii) विहारीलाल (iii) सुमित्रानन्दन पन्त

प्र027. अपनी पाठ्य पुस्तक से कोई दो लाइनों का श्लोक लिखिए। जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। (2)

प्र028. अपने क्षेत्र में नालियों तथा सड़को आदि की समुचित सफाई न होने पर स्वास्थ्य अधिकारी को एक शिकायत पत्र लिखिए। (4)

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु पाँच दिन के अवकाश हेतु एक प्रार्थना पत्र लिखिए।

modelpaper.info

प्र029. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए। (1+1=2)

(i) चन्द्रशेखर कः आसीत

(ii) विश्वस्य स्रष्टा कः

(iii) वाराणस्यां कियन्तः विश्व विद्यालयः सन्ति

(iv) पुरुराजः कः आसीत्

प्र०3० निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए। 7

(i) बेरोजगारी, समस्या समाधान

(ii) वृक्ष हमारे सच्चे हितैषी

(Iii) विज्ञान वरदान अभिशाप

(iv) ग्राम स्वच्छता

(v) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व

modelpaper.info